वर्ष: 1 | अंक 12 | नागौर, 03 मई, 2022 (मंगलवार) | मूल्य 5 रुपया | पृष्ठ 4 | पाक्षिक

RNI Title-Code :- RAJBIL27027

www.nagaurdaily.com

Email. nagaurdaily0@gmail.com

नागौर डेली न्यूज

नागौर, कुचामनसिटी, डीडवाना, मकराना, परबतसर, जायल
मेड़तासिटी, खींवसर, डेगाना व नावां से एक साथ प्रकाशित

अहसास बदलाव का...

ईद का चांद दिखा, देश भर में आज मनाया जाएगा ईद-उल-फितर का त्योहार

दुनियाभर में आज यानी कि मंगलवार को धूमधाम से ईद-उल-फितर मनाई जाएगी. सोमवार शाम को शव्वाल का चांद दिखाई दिया.दरअसल रविवार को शव्वाल का चांद दिखाई नहीं दिया था. इसके बाद लखनऊ की मरकजी चांद कमेटी फरंगी महल के सदर काजी ने कहा था कि रविवार को शव्वाल का चांद नहीं दिखा है. लिहाजा सोमवार को 30वां रोजा था और ईद 3 मई को मनाई जाएगी. बता दें कि ईद की तारीख हिजरी कैलेंडर के कारण हर साल बदलती है. ये कैलेंडर चंद्रमा पर आधारित होता है इसमें चांद की घटती-बढ़ती चाल के अनुसार दिनों की गिनती की जाती है. जब एक नया चांद दिखाई देता है और धार्मिक अधिकारियों द्वारा इसकी पुष्टि की जाती है, तो इस्लामी महीना शुरू होता है. नया चांद दिखने के आधार पर ही दुनियाभर में अलग-अलग दिनों में ईद का त्योहार मनाया जाता है.

विश्वास का घोंटा गला, पड़ौसी ही निकला चोरी का आरोपी

सेल्फास की गोलियां जेब में लेकर थाने पहुंचा आरोपी

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज)। शहर की महावीर कॉलोनी में शुक्रवार-शनिवार की रात 10 लाख रुपयों की चोरी के मामले में पड़ौसी ही चोरी का आरोपी निकाला। बड़ी बात यह रही कि जिस पड़ौसी को परिवार का सदस्य समझकर पीड़ित परिवार अपने घर की चाबी देकर गया था, उसी परिवार के सदस्य ने विश्वास का गला घोंटते हुए चोरी की वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार अजय जैन पुत्र हरकचंद जैन उम्र 42 निवासी महावीर कॉलोनी कुचामनसिटी ने इस चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। इस सम्बन्ध में विनय झांझरी ने अज्ञात चोर के विरुद्ध शनिवार को मुकदमा दर्ज कराया था। पीड़ित विनय झांझरी ने बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चों को लेने गए जयपुर गया हुआ था। उन्हें अपने परिजनों से सूचना मिली कि घर में चोरों ने सेंध लगा दी है। शनिवार सुबह विनय ने कुचामन पहुंचकर पुलिस थाना में रिपोर्ट दी। झांझरी ने बताया कि चोर उनके घर के कमरे और अलमारियों के ताले तोड़कर तकरीबन 10 लाख रुपयों के जेवरात और एक लाख रुपए नकद चोरी करके ले गए।

चोरी का आरोपी

वर्षों पुराना प्रेम

पीड़ित परिवार एवं आरोपी के घर के बीच केवल एक तीस फीट रास्ते की गली है। दोनों परिवार में वर्षों पुराना प्रेम है। दोनों परिवार एक-दूसरे के सुख-दुःख में भागीदार रहे है। पीड़ित परिवार ने कभी सपने में ही नहीं सोचा था कि पड़ौसी ही वारदात को अंजाम दे देगा। हर बार की तरह शुक्रवार को भी अपने घर की चाबी पड़ौसी को देकर गए। आरोपी अजय जैन ने घर वालों से छुपकर चाबी उठा ली तथा वारदात को अंजाम दे दिया। उसने उसी चाबी से आराम से ताला खोला, इसके बाद आराम से घर में हाथ साफ किया। चूंकि उसे पड़ौसी के घर की हर वस्तु की जानकारी थी लिहाजा उसने बिना किसी तोड़फोड़ एवं बिखेरा किए आराम से वारदात को अंजाम दे दिया।

चोरी का सामान बरामद, मुल्जिम गिरफ्तार-

पुलिस ने चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया है वहीं चोरी के आरोपी अजय जैन को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोर के घर पर करीब चार घण्टे मशक्कत की। स्वयं थानाधिकारी हनुमानसिंह सादी ड्रेस (बिना वर्दी) अजय जैन के घर चार घण्टे तक रहे। घर के बाहर पुलिस पहरा रहा। चार घण्टे की कार्यवाही के बाद पुलिस घर से बाहर निकली। जानकारी मिली है कि चोरी का सम्पूर्ण सामान पुलिस ने बरामद कर लिया है।

सड़क दुर्घटना रोकना हम सभी की जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री

प्रदेश में शीघ्र शुरू होगी ग्रामीण बस सेवा : जून 2022 तक परिवहन कर संग्रहण केंद्र बंद कराने के निर्देश

जयपुर।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि सड़क सुरक्षा किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। हर व्यक्ति को परिवहन नियमों की पालना करनी चाहिए, तभी मिलकर सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मृत्यु दर में कमी लाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए विभागीय अधिकारी विभिन्न माध्यमों से परिवहन नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करें। साथ ही अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी करें। गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

ग्रामीणों को मिलेगी आवागमन में राहत-मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण बस सेवा से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिली थी। अब इसे फिर से शीघ्र ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा रोड सेफ्टी एक्ट का ड्रॉफ्ट तैयार कर लिया गया है। इसे और बेहतर बनाने के लिए पब्लिक डोमेन पर अपलोड कर आमजन से सुझाव आमंत्रित किए जाए। उन्होंने बजट घोषणाओं, नीतिगत दस्तावेज की घोषणाओं को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए।

मरकज पर पाबंदी नहीं, 14 अक्टूबर तक खुली रहेगी मरकज मस्जिद

नई दिल्ली।

कोरोना ब्लास्ट के लिए जिम्मेदार रही दिल्ली की निजामुद्दीन मरकज मस्जिद अब 14 अक्टूबर तक खुली रहेगी। यह फैसला दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को सुनाया। मरकज की पांच मंजिलों को फिर से खोलने की अनुमति देने वाला अंतरिम आदेश बढ़ा दिया गया है।जस्टिस जसमीत सिंह ने कहा कि सुनवाई की अगली तारीख यानी 14 अक्टूबर तक निजामुद्दीन मरकज मस्जिद खुली रहेगी। गौरतलब है कि कोरोना-पॉजिटिव मामलों में तेजी के बाद 3 मार्च, 2020 से बंद कर दिया गया था। 16 मार्च को हाईकोर्ट ने शब-ए-बारात के मद्देनजर समान नियम और शर्तों के साथ लोगों के लिए मस्जिद खोलने की अनुमति दी थी। इसी बेंच ने रमजान के दौरान प्रतिबंधों में ढील देने की दिल्ली वक्फ बोर्ड की याचिका को स्वीकार करते हुए उनसे कोविड प्रोटोकॉल और सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंडों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने भी कहा था। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार मरकज की हर मंजिल पर केवल सौ लोगों को ही जाने और इबादत करने अनुमति दी गई है। बेंच ने यह भी कहा था कि इस दौरान तब्लीगी जमात की कोई एक्टिविटी मरकज में नहीं होगी। न ही कोई व्याख्यान हो सकता है।

सम्पादकीय

बिजली गुल

गर्मी बढ़ने के साथ ही देश के ज्यादातर राज्यों में बिजली संकट भी गहरा गया है। पिछले कई दिनों से जो हालात बने हुए हैं, वे स्थिति की गंभीरता बताने के लिए काफी हैं। इस वक्त ज्यादातर राज्य पर्याप्त बिजली नहीं मिलने की शिकायत कर रहे हैं। वैसे भी गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ जाती है। लेकिन विडंबना यह है कि सब जानते-बूझते भी सरकारें समय रहते ऐसे मुक्कमल बंदोबस्त नहीं करतीं जिससे बिजली संकट खड़ा न हो। आखिर ऐसी नौबत क्यों आने दी जाती है कि दस-दस घंटे की बिजली कटौती करनी पड़ जाए। जब पता है कि गर्मी के दिनों में बिजली की मांग बढ़ेगी तो पहले ही से इसके लिए तैयारियां क्यों नहीं की जातीं? ऐसा भी नहीं कि पहली बार बिजली की कमी का ऐसा संकट खड़ा हुआ है। लेकिन दुख की बात यह है कि हमने पूर्व के संकटों से कोई सबक नहीं लिया। इसी का नतीजा है कि इस बार फिर देश के ज्यादातर हिस्से अंधेरे में डूब रहे हैं और लोगों के पसीने छूट रहे हैं।

गौरतलब है कि ज्यादातर बिजलीघरों के पास पर्याप्त कोयला नहीं है। हालात कितने नाजुक हैं, इसका अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि साठ फीसद बिजली संयंत्रों के पास पच्चीस फीसद से भी कम कोयला बचा है। हालांकि कोयला मंत्री ने बिजली संयंत्रों के पास दस दिन का कोयला होने का दावा किया है। पर हैरत की बात यह है कि एक तरफ तो बिजली संकट के लिए अब तक कोयला उत्पादन में कमी की बात कही जाती रही है, जबकि दूसरी ओर देश में कोयले की कमी नहीं होने का दावा भी सुनने को मिलता रहा है। इसलिए यह सवाल उठना लाजिमी है कि फिर बिजली संकट क्यों खड़ा हो गया? आंकड़े बताते हैं कि कोयला उत्पादक कंपनियों के पास करीब साढ़े छह करोड़ टन कोयले का पर्याप्त भंडार है और इस बार अप्रैल में कोयला उत्पादन पिछले साल के मुकाबले सत्ताईस फीसद बढ़ा है। ऐसे में अगर बिजली संयंत्रों को समय पर कोयला नहीं मिल पा रहा है तो इसका मतलब है कि समस्या का छोर कहीं और भी होगा।

बिजली संकट का मुद्दा कोयले की ढुलाई से भी जुड़ा है। कोयला कंपनियों की शिकायत रही है कि राज्य उन्हें ढुलाई का भाड़ा नहीं देते और राज्यों पर यह रकम साढ़े पंद्रह हजार करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया है। अगर ऐसा है, तो साफ है कि यह केंद्र, राज्यों और कोयला उत्पादक कंपनियों के बीच का मसला है। पर यह कोई ऐसा जटिल मसला भी नहीं है जो सुलझाया न जा सके। लेकिन सिर्फ ढुलाई के भाड़े को लेकर समस्या बड़ी होती जा रही है तो यह गंभीर बात है।

हालांकि बिजलीघरों तक कोयला पहुंचाने के लिए रेलवे ने कमर कसी है, बड़ी संख्या में मालगाड़ियां लगाई हैं और कुछ दिन के लिए सैकड़ों यात्री गाड़ियों के फेरे भी बंद कर दिए हैं, ताकि मालगाड़ियों के लिए रास्ता साफ रहे। अगर रेलवे ऐसी ही चुस्ती पहले दिखा देता तो शायद बिजलीघर एक दिन या एक हफ्ते का कोयला बचा होने का रोना न रोते। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि बिजली की कमी से कहीं ज्यादा बड़ा संकट कोयला, रेल और बिजली मंत्रालय में तालमेल की कमी का भी दिखता है। वरना जब कंपनियों के पास कोयला भी पर्याप्त है, रेलवे के पास भरपूर संसाधन और क्षमता है और बिजली घर भी उत्पादन में पीछे नहीं हैं, तो फिर क्यों देश अंधेरे में डूबने को मजबूर है?

मुश्किलें बढ़ाती महंगाई

उल्लेखनीय है कि भारत में खाद्यान्न अनुकूलता के बावजूद महंगाई बढ़ने के चार परिदृश्य सामने हैं। एक, थोक और खुदरा महंगाई दर बढ़ रही है। दो, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि रोजमर्रा के खर्च को प्रभावित कर रही है। तीन, चीन सहित कई देशों से आयातित वस्तुएं महंगी हो गई हैं और इंडोनेशिया ने पाम आइल का निर्यात रोकने का फैसला किया है। चार, ब्याज दरों में वृद्धि से कर्ज महंगा होने से महंगाई बढ़ रही है। गौरतलब है कि 18 अप्रैल को आए आंकड़ों के अनुसार मार्च में थोक महंगाई दर बढ़ कर 14.55 फीसद पर पहुंच गई। यह बीते चार माह में सबसे ज्यादा रही। यह लगातार बारहवां महीना रहा, जब थोक महंगाई दर दस फीसद से ऊपर रही। इसी तरह खुदरा महंगाई भी इस साल मार्च में 6.95 फीसद पर पहुंच गई, जो पिछले सत्रह महीनों में सबसे ज्यादा रही। यह लगातार तीसरा महीना है जब खुदरा महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) के दो से छह फीसद से दायरे से बाहर बनी हुई है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल के बढ़ते दाम और वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से वैश्विक जिंस बाजार में भी भारी तेजी बनी हुई है।

भारत में खाद्य तेल की खपत दो सौ पच्चीस लाख टन सालाना की है और इसमें अस्सी लाख टन पाम आयल भी शामिल है। पाम आयल का इस्तेमाल खाने से लेकर साबुन, बिस्कुट, टूथपेस्ट, शैंपू जैसी रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। ऐसे में पाम आयल के गहराते संकट की वजह से खाद्य तेलों के अलावा दूसरी वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। पिछले हफ्ते दिल्ली में आयोजित रायसीना संवाद में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध और आपूर्ति शृंखला में बाधा की वजह से दुनियाभर में खाद्यान्न की कमी होने लगी है और महंगाई तेजी से बढ़ती जा रही है। सरकार से लेकर अर्थशास्त्री तक इस हालात को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं। भारत में भी आम आदमी कीमतों में बढ़ोतरी से जूझ रहा है, लेकिन खाद्यान्न अनुकूलता के कारण अभी यहां वैसे हालात पैदा नहीं हुए हैं, जैसे दुनिया के और मुल्कों में देखने को मिल रहे हैं। इस समय भारत अपने खाद्यान्न भंडारों के कारण दुनिया को खाद्य संकट से उबारने में मदद भी कर पाने की स्थिति में है।

गौरतलब है कि अमेरिका, ब्रिटेन, तुर्की, पाकिस्तान सहित अधिकांश देशों में जहां महंगाई भारत की तुलना में काफी अधिक है, वहीं जर्मनी, इटली, स्पेन सहित कई यूरोपीय देशों में खाद्य तेलों और आटे का स्टाक खत्म होने की खबरें भी आ रही हैं। महामारी संकट तथा महंगाई और बढ़ने की आशंका को देखते हुए लोग घरों में सामान जमा कर रहे हैं। इस कारण कई यूरोपीय देशों को तो सीमित मात्रा में सामान बेचने का नियम लागू करने को बाध्य होना पड़ा है, ताकि जमाखोरी न बढ़े। इतना ही नहीं कई यूरोपीय देशों में उद्योग-कारोबार में गिरावट के कारण कर्मचारियों की छंटनी का सिलसिला भी जारी है। वैसे भी बेरोजगारी दुनिया की बड़ी और गंभीर समस्या बन गई है। शंघाई सहित चीन के कई औद्योगिक शहरों में कोरोना फिर से फैलने की वजह से पूर्णबंदी जैसे कदम उठाए जा रहे हैं। इस कारण उत्पादन में कमी होने से चीन से आयातित कच्चा माल काफी महंगा हो गया है। इसका असर भारत के उद्योगों पर पड़ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से सूरजमुखी के तेल का आयात पहले से प्रभावित है। इंडोनेशिया ने पिछले हफ्ते से पाम आयल का निर्यात बंद कर दिया है। भारत में खाद्य तेल की खपत दो सौ पच्चीस लाख टन सालाना की है और इसमें अस्सी लाख टन पाम आयल भी शामिल है।

भारत में पाम आयल का इस्तेमाल खाने से लेकर साबुन, बिस्कुट, टूथपेस्ट, शैंपू जैसी रोजमर्रा के इस्तेमाल वाली वस्तुओं के उत्पादन में किया जाता है। ऐसे में पाम आयल के गहराते संकट की वजह से खाद्य तेलों के अलावा दूसरी वस्तुएं भी महंगी हो रही हैं। इससे अप्रैल की खुदरा महंगाई दर पर असर पड़ेगा। सरकार के साथ रिजर्व बैंक भी बढ़ती महंगाई के दुष्प्रभावों से अनजान नहीं है। इस समय रिजर्व बैंक की प्राथमिकता महंगाई को काबू करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए रिजर्व बैंक के कहने पर देश के विभिन्न व्यावसायिक बैंकों ने कर्ज दर (एमसीएलआर) में इजाफा किया है। इससे कर्ज महंगे हो गए हैं। कर्जदारों, कारोबारियों और उद्योगपतियों को कर्ज पर ज्यादा किस्त और ब्याज चुकाना होगा। कर्ज दर बढ़ने से महंगाई के दौर में लोगों की मुश्किलें और बढ़ेंगी। एमसीएलआर बैंकों की ऐसी मानक ब्याज दर होती है, जिस पर बैंक ग्राहकों को कर्ज देते हैं। हालांकि

कर्ज का महंगा होना महंगाई नियंत्रण की दिशा में एक प्रभावी कदम है, लेकिन इससे आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। वस्तुत: महंगी दर पर कर्ज लेने से आम आदमी, उद्यमी व कारोबारी पीछे हटेंगे।

इससे बाजार में विभिन्न उत्पादों की मांग और आपूर्ति में कमी आएगी। स्थिति यह भी है कि इस साल मार्च से बढ़ी महंगाई के बाद जहां आम आदमी के जीवन पर महंगाई का असर पड़ा है, वहीं कर्ज के भुगतान पर भी इसका प्रभाव दिखने लगा है। कर्ज नहीं चुका पाने वालों की संख्या बढ़ रही है। जबकि पिछले साल नवंबर में आर्थिक गतिविधियों में तेजी को देखते हुए कर्जदारों की भुगतान क्षमता सुधार दिखा था। लेकिन मार्च में खाद्य वस्तुओं और तेल की बढ़ती कीमतों से आर्थिक हालात फिर से बिगड़ने लगे। इस समय दूसरे देशों की तुलना में भारत में महंगाई का असर कम है। भारत में महंगाई को तेजी से बढ़ने से रोकने में कुछ अनुकूलताएं स्पष्ट दिखाई दे रही हैं। देश में अच्छी कृषि पैदावार खाद्य पदार्थों की कीमतों के नियंत्रण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अलावा देश में न केवल सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लिए आवश्यकता से अधिक चावल और गेहूं का सुरक्षित केंद्रीय भंडार भरपूर है, बल्कि देश गेहूं और चावल का निर्यात भी कर रहा है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि देश में महंगाई को काबू करने में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की उपयोगिता दिखाई दे रही है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक राशन प्रणाली के तहत करीब अस्सी करोड़ लाभार्थियों में से जनवरी 2022 तक सतहत्तर करोड़ से अधिक लाभार्थी डिजिटल रूप से सभी राशन दुकानों से जुड़ गए। सरकार ने तिलहन और खाद्य तेलों पर भंडारण सील की अवधि छह महीने बढ़ा कर 31 दिसंबर 2022 तक कर दी है। भंडारण सीमा के तहत खुदरा विक्रेता तीन टन तक और थोक व्यापारी पचास टन तक खाद्य तेल का भंडारण कर सकता है। इस कदम से जमाखोरी पर नियंत्रण रहेगा। रिजर्व बैंक भी कह चुका है कि वह अब विकास दर में वृद्धि के बजाय महंगाई नियंत्रण को अधिक प्राथमिकता देगा और अपने नरम रुख को धीरे-धीरे वापस लेगा। जिस तरह पिछले वर्ष 2021 में पेट्रोल और डीजल की कीमतें सौ रुपए प्रति लीटर से अधिक होने पर केंद्र सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर सीमा व उत्पाद शुल्क में और कई राज्यों ने वैट में कमी की थी, वैसे ही कदम अब फिर जरूरी दिखाई दे रहे हैं।

उन्माद के सिपाही

अजीब दौर है यह। उन्माद फैला कर समाज में शांतिभंग कर देना जैसे कुछ लोगों का शगल बनता गया है। पटियाला का हिंसक संघर्ष इसका नया उदाहरण है। कुछ लोगों ने 'खालिस्तान के स्थापना दिवस' पर 'सिख फार जस्टिस' के बैनर तले जुलूस निकालने की योजना बनाई थी। इसके विरोध में शिव सेना (बाल ठाकरे) नाम का एक संगठन उतर आया और उसने 'खालिस्तान मुर्दाबाद मार्च' निकाल दिया। स्वाभाविक ही दोनों गुटों में संघर्ष हुआ, पत्थर चले और कई लोग घायल हो गए। पुलिसकर्मी भी और आम नागरिक भी। इस पर पंजाब सरकार ने हिंसा रोकने के लिए कड़ाई की और कर्फ्यू लगाना पड़ा। गनीमत है कि यह संघर्ष देर तक नहीं चल पाया और पुलिस ने इस पर काबू पा लिया। मगर यह सवाल अब भी अनुत्तरित है कि आखिर इस संघर्ष की नौबत आई क्यों।

खालिस्तान को लेकर शुरू हुआ आंदोलन अब अपनी त्वरा खो चुका है। कुछ छिटपुट लोग कभी-कभार सिर उठाते देखे जाते हैं। विदेश में रह रहे कुछ लोगों पर आरोप लगता रहता है कि वे 'सिख फार जस्टिस' संगठन को सहयोग करते हैं। पंजाब में नई सरकार आने के बाद वह एकदम से इतना सक्रिय कैसे हो गया कि उसके लोगों ने स्थापना दिवस पर जुलूस निकालने की तैयारी कर ली। हैरानी की बात यह भी है कि पंजाब सरकार ने इसे पहले रोकने की कोशिश क्यों नहीं की। पंजाब पाकिस्तान सीमा से सटा राज्य है, इसलिए इसे संवेदनशील माना जाता है। वहां सुरक्षा को लेकर ज्यादा चौकसी बरती जाती है। खुफिया एजंसियां हर समय सक्रिय रहती हैं। पर हैरानी है कि प्रशासन को पहले ही कैसे खालिस्तान समर्थकों के जुलूस की सूचना नहीं मिल पाई। सब जानते हैं कि खालिस्तान की मांग को लेकर पहले भीषण हिंसा हो चुकी है, जिसके चलते पूरा पंजाब वर्षों दहशत के साए में गुजार चुका है। अब वहां के लोग खालिस्तान की मांग को किसी भी रूप में जायज नहीं मानते।

हालांकि यह आशंका भी जताई जाती रही है कि सीमा पार से इस संगठन को उकसाने के प्रयास होते हैं। ऐसे में अगर वह संगठन फिर से सिर उठा रहा है, तो यह सबके लिए चिंता का विषय है। यह ठीक है कि पंजाब में आम आदमी पार्टी की पहली बार सरकार बनी है, इसलिए उसे वहां कानून-व्यवस्था संभालने में कुछ अड़चनें आ रही होंगी। मगर इस तर्क पर भगवंत मान सरकार अपनी कमजोरियों पर परदा नहीं डाल सकती। पंजाब चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगा था कि वे खालिस्तान आंदोलन से जुड़े लोगों के संपर्क में रहते हैं। इस आरोप का सीधे खंडन करने के बजाय उन्होंने घुमा-फिरा कर जवाब दिया था। अब अगर खालिस्तान के समर्थन में यह जुलूस निकला तो एक बार फिर उनका इस सवाल के घेरे में आना स्वाभाविक है।

सवाल है कि जो संगठन दहशतगर्दी के जरिए देश की अखंडता को भंग करने की कोशिश कर चुका हो, उसके प्रति किसी भी तरह की नरमी भला क्यों होनी चाहिए। भगवंत मान सरकार से इस मामले में भारी चूक हुई या वह इस मसले पर निर्णय करने में देर कर गई, जिसके चलते हिंसक झड़प की नौबत आ गई। उस वक्त जिस तरह से पत्थर चले, कोई बड़ी घटना भी हो सकती थी। यह घटना फिर से न दोहराई जा सके। इसे लेकर पंजाब सरकार को अतिरिक्त रूप से सतर्क रहना होगा।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत कोड पं. स. भैरुंदा (नागौर)

सरपंच दौलत राम राव
ग्राम विकास अधिकारी नन्द किशोर टाक
समाजसेवी सत्य नारायण सोनी
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत सथाना पं. स. भैरुंदा (नागौर)

सरपंच रजिया बानो
ग्राम विकास अधिकारी नन्द किशोर टाक
समाजसेवी एडवोकेट अयूब खान
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत जड़ाऊ कला पं. स. रियांबड़ी (नागौर)

सरपंच घेवरी देवी
ग्राम विकास अधिकारी रामलाल
समाजसेवी रामस्वरूप
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत मैडास पं. स. रियांबड़ी (नागौर)

सरपंच पप्पूराम
ग्राम विकास अधिकारी रामकरण चोटिया
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत चावण्डिया कलां रियांबड़ी (नागौर)

सरपंच भैरोंसिंह
ग्राम विकास अधिकारी भवानीसिंह
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- पंचायत समिति रियांबड़ी (नागौर)

उगमा देवी गौरा
प्रधान
पंचायत समिति, रियांबड़ी
भागीरथसिंह राठौड़
विकास अधिकारी
पंचायत समिति, रियांबड़ी
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. बाल विवाह एक कानूनन समाजिक अपराध है ।
इसको रोकना हम सबका नैतिक कर्तव्य ओर जिम्मेद्वारी है ।
2. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन निषेध है । इसकी पालना जरूरी है ।
3. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं ।
4. जल स्वालंबन व पौधारोपण को सफल बनाएं ।
5. कोरोना से बचाव के लिए 2 गज की दूरी ,मास्क है जरूरी ।
6. वैक्सीन सुरक्षित है वैक्सीन की बूस्टर डोज अवश्य लगाएं और अन्य को भी प्रेरित करें ।
7. पंचायत समिति के विकास कार्यों में सक्रिय भागीद्वारी निभाएं एवं पॉलीथिन का परित्याग करें
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत रियाबड़ी पं. स. रियांबड़ी (नागौर)

सरपंच गिरधारी लाल माली
संदीप गोदारा ग्राम विकास अधिकारी
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

आखातीज एवं ईद पर्व पर आमजन से अपील
कार्यालय :- ग्राम पंचायत गवाड़ी पं. स. रियांबड़ी (नागौर)

सरपंच बतूल बानो
ग्राम विकास अधिकारी भवानीसिंह
समाजसेवी दिलावर खान
-सभी ग्राम वासियों से विनम्र अपील है कि
1. आखातीज एवं ईद पर्व पर आपसी भाईचारा व सौहार्द बनाए रखें ।
2. बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इससे हमेशा बचे।
3. मृत्यु भोज व मौसर कानूनन अपराध है ।
4. सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।
5. कोरोना बचाव के लिए 2 गज की दूरी , मास्क है जरूरी।
6. ग्राम पंचायत में जन्म मृत्यु एवं विवाह पंजीयन अवश्य करवाएं ।
शुभेच्छु :- उप सरपंच ,वार्ड पंच एवं समस्त ग्राम पंचायत वासी ।

खान एड एजेन्सी, रियाबड़ी
अमान खान - मो. 9414663006

गैस सिलेंडर में आग लगने से रसोई में रखा सामान जलकर हुआ खाक

ईद की तैयारी में महिलाएं खीर बनाने दूध कर रही थी गर्म

मोहम्मद शहजाद

मकराना(नागौर डेली न्यूज)। शहर के ईदगाह रोड स्थित एक रहवासी मकान में बने रसोई घर में गैस सिलेंडर में सोमवार को अचानक आग लग गई, जिसकी वजह से रसोई घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। आपको बता दे कि ईदगाह रोड स्थित अब्दुल अजीज पुत्र जमालुद्दीन भाटी के घर की महिलाएं कल मंगलवार को मनाए जाने वाले ईद के पर्व की तैयारियों में लगी हुई थी, जिसको लेकर वे आज रसोई में खीर बनाने के लिए दूध गर्म कर रही थी। इस दौरान अचानक एक गैस सिलेंडर में आग लग गई। इसकी वजह से रसोई घर में रखा एक अन्य गैस सिलेंडर भी आग की चपेट में आ गया और दोनों गैस सिलेंडर धू धू कर जलने लगे। इसके बाद आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। परिवार के लोगों ने कड़ी मशक्कत की, जिसके बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन जब तक रसोई घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया।

विद्युत उपकरण भी जले : साथ ही एक इनवर्टर व विद्युत उपकरण भी जल गए। आग की वजह से रसोई घर में लगी टाईले भी तपिश के कारण गिर गई तथा परिवार के लोगों को अंदेशा है कि रसोई घर के छत की पट्टियां गर्म होने की वजह से छत को भी नुकसान हो सकता है।

आग को बुझाने के प्रयास के दौरान घर के युवक इलियास भाटी, रुबीना सहित दो महिलाएं भी झुलस कर घायल हो गई। जिनको प्राथमिक उपचार दिया गया। परिवार के मुखिया अब्दुल अजीज ने बताया कि उनको इस आगजनी में करीब ढाई से तीन लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है और परिवार के लोग भी आगजनी में झुलस कर घायल हो गए हैं। उधर स्थानीय नगर परिषद मकराना के पार्षद अब्दुल कयूम भाटी को आगजनी की सूचना हुई तो वे तत्काल ही मौके पर पहुंचे।

मृत्यु भोज नही कर पेश की यह अनूठी मिसाल, खूब हो रही प्रशंसा, शिक्षा के क्षेत्र मे दिये 4 लाख का सहयोग

अनारदीन खान के निधन के बाद समाजसेवी बरकत खान ने मृत्युभोज करने की जगह शिक्षा के लिए 4 लाख रुपयों की सहयोग राशि दी

दिनेश कड़वासरा

गोटन(नागौर डेली न्यूज) : वर्तमान में समाज में मृत्युभोज एक अभिशाप है। सरकार द्वारा मृत्यु भोज के रोकथाम के विशेष प्रयास किए जा रहे है। इसी कड़ी में गोटन के भामाशाह व समाजसेवी बरकत खान ने एक नई मिसाल पेश की है। सामाजिक परंपराओं को तोड़ते हुए उन्होंने अपने भाई अनारदीन खान के निधन के बाद मृत्युभोज करने की जगह शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये की सहयोग राशि दी है। सदर बरकत खान ने बताया कि हॉल ही मे पिछले 8 महीनों बल्ड कैंसर की बीमारी से जूझ रहें छोटे भाई अनारदीन खान ने 21 अप्रैल को अन्तिम सांस ली। खान के इन्तकाल रमजान का पवित्र महीना व जुमेरात का वार होना इस्लाम के मुताबिक रहमतो का दिन माना जाता है। खान के इन्तकाल पर अल्पसंख्यक मामलात, वक्फ़, उपनिवेशन, कृषि सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग मंत्री सालेह मोहम्मद ने घर जाकर ढाँढस बंधाया तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट, राज्य मंत्री जाहिदा खान कामा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सीआर चौधरी, खींवसर विधानसभा प्रत्याशी सवाइसिंह चौधरी सहित कई बड़े दिग्गज नेताओं ने बरकत खान को पत्र भेजकर अनारदीन खान की मौत पर शौक व्यक्त किया।

हिन्दू-मुस्लिम एकता के प्रतीक थे अनारदीन : मरहूम खान उनके वालिद मरहूम हाजी छोटुखान की तरह भी हिन्दू-मुस्लिम एकता भाईचारे के प्रतीक थे। हमेशा समाजसेवा के लिए तत्पर थे।

उनके अन्तिम संस्कार मे रात होने के बावजूद भी हजारों की तादाद थी। 22 वर्ष की आयु मे भामाशाह के इन्तकाल से सर्व समाज मे शौक की लहर है। उनके बड़े भाई बरकत खान अध्यक्षता में वर्तमान में राजस्थान प्रदेश में 70 से अधिक लघु विद्यालय संचालित हो रहे है। सर्व समाज के लोगों से रायशुमारी कर भाई बरकत खान एवं इंसाफ अली ने अपने छोटे भाई मरहूम अनारदीन खान के इन्तकाल पर मृत्यु भोज कर नहीं शिक्षा के क्षेत्र में 4 लाख रुपयों का सहयोग कर समाज में एक मिशाल पेश की है। ग्रामीणों ने खान परिवार के इस निर्णय की खूब प्रशंसा की है।

विश्व हँसी दिवस पर हँसी के फव्वारों से गूंजा ग्लोबल स्कूल

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : स्टेशन रोड़, पलाडा स्थित ग्लोबल इंटरनेषनल एकेडमी में सोमवार को विश्व हास्य दिवस के अवसर पर विद्यालय प्रांगण में इसकी महत्ता को विस्तार से बताया। विश्व हास्य दिवस के अवसर पर हास्य की प्रतिभा को अवसर प्रदान करने के लिए प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें विद्यालय के प्रतिभावान छात्रों ने भाग लिया और हास्य रस प्रदान करने के लिए नेता-अभिनेता की हुबहु अभिनय की खूब वाहवाही बटोरी। विश्व हास्य दिवस के उपलक्ष्य पर विद्यालय निदेशक बनवारी लाल पचार, सचिव सुल्तान सिंह थालोड़, कोषाध्यक्ष सुनिल कुमार बिजारनिया व छात्रावास अधीक्षक जे. पी. ज्याणी उपस्थित रहे। विद्यालय निदेशक बनवारी लाल पचार ने विद्यार्थियों को हास्य के लाभ बताते हुए कहा कि हंसने से तनाव भरे जीवन से मुक्ति मिलती है इसलिए हमें लगातार सकारात्मक विचारों के साथ जीवन जीना चाहिए। सचिव सुल्तान सिंह थालोड़ ने संबोधित करते हुए कहा कि हंसना एक कला है और इस कला को जीवन में लगातार प्रयोग में लाया चाहिए। हंसने का वैज्ञानिक तथ्य की साझा करते हुए बताया हंसने से 6 गुना ज्यादा ऑक्सीजन की प्राप्ति होती है।

हंसना जीवन को खूबसुरत बना देता है-

सुनिल कुमार बिजारणियां ने संबोधन में बताया कि हंसना जीवन को खुबसुरत बना देता है। हंसने से कामयाबी का प्रतिशत और ज्यादा बढ़ जाता है और सकारात्मकता आती है। इस मौके पर विमल जोशी, नरेन्द्र सिंह नरुका, रज्जाक मो., गोपाल कुमावत, शंकर लाल, मुस्ताक अहमद, घीसा लाल टेलर, रुपाली टेलर, प्रीतम जांगिड, दीपिका पारीक हीना, मोहसिन खान, विनिता, निकिता, सपना, ललिता, रेखा, मुस्कान, दीपिका, रुपाली, प्रियंका, मौजूद रहे।

डेगाना में ईद हर्षोउल्लास के साथ मनाई जायेगी ईद

शौकत खान

डेगाना(नागौर डेली न्यूज)। डेगाना के मुस्लिम समाज द्वारा आज मंगलवार को ईद का त्यौहार पुरे पारंपरिक रूप से मनाया जायेगा। मौलाना ने जानकारी देकर बताया की पवित्र रमजान महीने के 30 रोजे पूरे होने के बाद मुस्लिम धर्म के बड़े त्यौहार ईद उल फितर का त्योहार मंगलवार को बड़ी धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर आज सुबह साढे सात बजे डेगाना के टंकीपुरा स्थित की ईदगाह, कायमखानी नगर की मदीना मस्जिद सहित आस-पास के गांवों में भी मुस्लिम समाज ईद मनाने की तैयारियों मे जुटा है। ईद के अवसर पर बाजारों में भी रोनक है और लोग नये कपड़े खरीदते नजर आ रहे है। त्यौहार को लेकर मस्जिदों को भी रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। दूसरी ओर आज हिन्दू समाज भी मंगलवार को अक्षय तृतिया ओर भगवान परसुराम जी की जयंती का भी त्यौहार धूमधाम के साथ मनाया जायेगा।

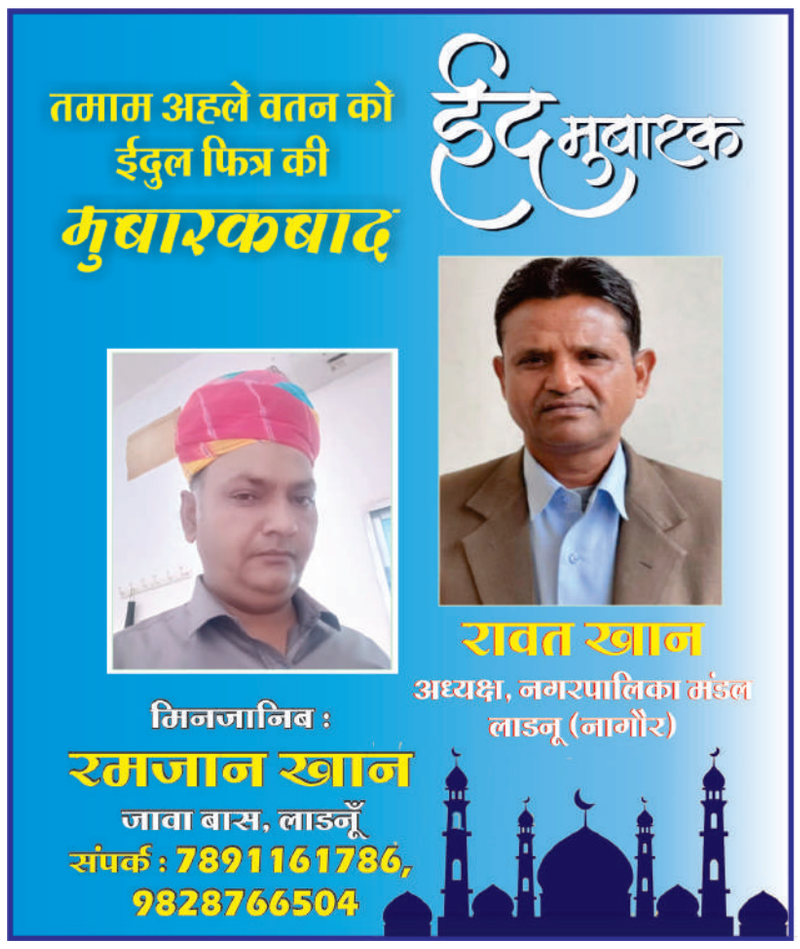

आदर्श शिक्षण संस्थान का दल तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण कर लौटा

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : आदर्श शिक्षण संस्थान का तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण दल राजस्थान का श्रीनगर माउंट आबू, झीलों की नगरी उदयपुर, नाथद्वारा और अजमेर के विभिन्न स्थानों को देखकर हर्षोल्लास उत्साह से सराबोर होकर लौटा। इस शैक्षणिक भ्रमण में रमणीय व मंदिरों ऐतिहासिक, प्राकृतिक व दृश्यनीय स्थलों का भ्रमण किया । इस शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय के प्रबंध निदेशक डॉ. राजाराम प्रजापति निदेशक योगेश कुमार जाखड़ के नेतृत्व में बस द्वारा रवाना हुआ था। प्रबंध निदेशक डॉ. राजाराम प्रजापति ने बताया कि विद्यार्थियों व शिक्षकों ने माउंट आबू के विश्व प्रसिद्ध विश्व शांति पैलेस श्रीब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय, माउंट आबू, श्री सोमनाथ महादेव मंदिर, संत सरोवर संवित, पीस पार्क, नक्की झील, देलवाड़ा जैन मंदिर दिगंबर जैन मंदिर, अबुर्दा विश्वनाथ मंदिर, अम्बा माताजी मंदिर (गुजरात) झीलों की नगरी उदयपुर के विश्व प्रसिद्ध प्रताप गौरव केंद्र, महाराणा प्रताप स्मारक, फतेहसागर झील, सिटी पैलेस, पिछोला झील, सहेलियों की बाड़ी, सुखाड़िया सर्किल, श्रीनाथ जी का मंदिर (नाथद्वारा) बिड़ला वाटर पार्क (अजमेर) स्थलों का भ्रमण किया।

ये रहे दल में शामिल : निदेशक योगेश कुमार जाखड़ ने बताया कि शैक्षणिक भ्रमण दल में व्याख्याता अश्वनी कुमार यादव, अनिल कुमार सेन, सुमन चौधरी, इंद्रा बुगालिया, कंचन कंवर, नमन प्रजापति, मंजू चौधरी, चंचल कसेरा, नेहा सेवग, कुनाराम बेड़ा, दिनेश कुमावत, आदित्य जांगिड़, रेनू बुगालिया, निकिशा गावड़िया, मोनिका राठौड़, हिना कुमावत, अभयसिंह, आयुष, निशा पारीक, कृष्णा बुगालिया, राजूदेवी, राजूसिंह सहित दल के सदस्य के रूप में शामिल थे।

चांद नजर आया, ईदुल फितर आज

एजाज़ अहमद उस्मानी

मेड़ता रोड(नागौर डेली न्यूज) : इस्लाम धर्म में 30 रोजे पूरे होने के बाद अल्लाह ताला की तरफ से इनाम के तौर पर दी जाने वाली खुशी के रूप में बनाए जाने वाला ईद उल फितर का तोहफा मंगलवार को प्रदेश भर में अकीदत व मोहब्बत के साथ मनाया जाएगा।

आज मनाई जाएगी ईद, जानिए इस त्योंहार से जुड़ीं खास बातें

अमन खान

रियांबड़ी(नागौर डेली न्यूज) । पूरी दुनिया में ईद के त्योहार की आज धूम है। भारत में भी ईद आज ही मनाई जाएगी। महीने भर के रोजे का अंत ईद का त्योहार के साथ ही होता है। ईद का त्योहार आखिरी रोजे के बाद मनाजा जाता है। ईद उल-फितर को मीठी ईद भी कहते हैं।

ईद पर रियांबड़ी से सवांददाता अमन खान की विशेष रिपोर्ट : ईद उल-फितर की नमाज को सलत अल-ईद भी कहा जाता है। ये नमाज ईद के मौके पर की जाती है। शिया और सुन्नी मुसलमान ये नमाज अपने-अपने तरीके से अदा करते हैं। अरबी में ईद उल-फितर का अर्थ है 'रोजा तोड़ने का त्योहार.' ईद तब तक शुरू नहीं होती है जब तक कि आसमान में चांद दिखाई नहीं दे जाता। आज भी कई मुस्लिम परंपरागत रूप से तब तक ईद की शुरुआत नहीं मानते हैं जब तक चांद नजर ना आ जाए। ये उस देश में चांद दिखने के समय पर निर्भर करता है। कई देशों के मुसलमान अपने स्थानीय समय की बजाय मक्का में चांद दिखने के हिसाब से ही ईद का त्योहार मनाते हैं। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, चांद दिखने के साथ ही नए महीने की शुरूआत होती है। आमतौर पर नया चांद हर 29 दिनों में दिखाई देता है। इसलिए चंद्र महीने ग्रेगोरियन महीनों की तुलना में कुछ कम होते हैं। यही वजह है कि पिछले साल की तुलना में हर साल रमजान 10 दिन पहले पड़ जाता है। ईद की सुबह, मुसलमान गुस्ल करने के बाद नए कपड़े पहनते हैं।

गुस्ल एक रस्म होती है, जिसमें शरीर की कुछ खास तरीकों से सफाई की जाती है। गुस्ल के बाद ईद की सुबह की नमाज अदा की जाती है। कुछ मुसलमान इस दिन पारंपरिक पोशाक पहनते हैं। ईद के दिन बड़ी संख्या में मुसलमान एक दूसरे को ईद मुबारक की बधाई देने के लिए इकट्ठा होते हैं। हालांकि पिछली बार कोरोना वायरस की वजह से मुस्लिम धर्मगुरुओं ने लोगों को अपने घरों में ही ईद मनाने की सलाह दी थी। ईद के दिन मुसलमानों न केवल स्वादिष्ट भोजन की दावत देते हैं, बल्कि इस दिन एक-दूसरे को तोहफे भी देते हैं। इनमें पैसे, सामान, घर की चीजें से लेकर फूल तक होते हैं, जिन्हें 'ईदी' कहा जाता है। खासतौर से बच्चों में इस दिन का खास उत्साह रहता हैं। इस्लामिक मान्यता के मुताबिक, रमजान महीने के अंत में ही पहली बार कुरान आई थी। रमजान महीने के दौरान मुसलमान अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हुए रोजा रखते हैं। रमजान में दान देने का भी खास महत्व है।

ईद की नमाज आज सुबह 8 बजे : समुदाय विशेष के लोगों से मिली जानकारी अनुसार इस बार गर्मी अधिक होने की वजह से ईद की सामूहिक नमाज ईदगाह में मंगलवार सुबह ठीक आठ बजे अदा करवाई जाएगी। ईद की नमाज के बाद मुबारकबाद का दौर चलेगा। इसी को मध्यनजर रखते हुए अकीदतमंदों ने ईद स्नेह मिलन का आयोजन रखा हैं, जिसमें प्रधान प्रतिनिधि व नागौर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष मदनराम गोरा, उपखंड अधिकारी गौरीशंकर शर्मा, तहसीलदार सुरेश कुमार, विकास अधिकारी भागीरथ सिंह राठौड़, डिप्टी नंदलाल सैनी, थानाधिकारी सुमन कुल्हरी, सरपंच गिरधारी लाल भाटी, मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह राठौड़ सहित अन्य शिरकत करेंगे ।

शिक्षाविद् अंसार अहमद सिद्दीकी का किया सम्मान

27 साल की राजकीय सेवा पूर्ण कर शिक्षाविद अंसार अहमद सिद्दीकी हुए है सेवानिवृत्त

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : कुचामन के सामाजिक संस्था मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी ने शिक्षाविद अंसार अहमद सिद्दीकी का सम्मान किया। गौरतलब है की शिक्षाविद अंसार अहमद सिद्दीकी अपनी 27 साल की बेदाग राजकीय सेवा पूर्ण कर शनिवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस मौके पर सोसायटी के सदर मोहम्मद शकील कुरैशी, सेक्रेटरी अकीक अहमद उस्मानी, खजान्ची इमरान खान, हबीब मौलानी, सरवर तंवर, इकबाल खान, सरवर खान, आरीफ टॉक और सिकन्दर खान मौजूद रहे ।सोसायटी के सदर शकील कुरैशी ने बताया कि शिक्षाविद अंसार अहमद सिद्दीकी के कर्त्तव्यपरायणता, फर्ज के प्रति समर्पण, मृदुभाषी और मिलनसारिता जैसे गुण, आज के दौर के युवाओं के लिए अनुकरणीय है।

कुचामन में प्रातः 8 बजे अदा की जाएगी ईद की नमाज, रोशनी से नहाये मुस्लिम मोहल्लें

सद्दाम रंगरेज

कुचामनसिटी(नागौर डेली न्यूज) : कुचामन शहर में ईद की नमाज प्रात: 8 बजे पढ़ी जाएगी। मदरसा इस्लामियां सोसायटी के सदर सलीम कुरैशी ने जानकरी देते हुए बताया कि प्रात: साढे सात बजे पलटन गेट मस्जिद के शाही ईमाम अब्दुल नईमी घोड़े पर सवार होकर ईदगाह की तरफ निकलेंगे। वे जहां-जहां से गुजरेंगे लोग उनके साथ हो चलेंगे। प्रात: आठ बजे खान मोहल्ला स्थित ईदगाह में सामूहिक नमाज अदा की जाएगी।

इसी प्रकार लुहारिया बास स्थित बाबा हैदर अली दरगाह परिसर में भी ईद की नमाज अदा करवाई जाएगी। यहां बड़ी संख्या में हिन्दू भाई भी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम भाइयों को मुबारकबाद देंगे। सदर कुरैशी ने बताया कि नमाज को लेकर सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

गौरतलब है कि 2 वर्षों में कोरोना होने के कारण ईद का त्योंहार लोगो ने घरों में ही मनाया था। दो साल बाद ईद पर मिली सम्पूर्ण छूट से लोगों में हर्ष है। लोग जमकर खरीदारी करने में

व्यस्त है तो वहीं महिलाओं व बच्चों में भी खासा उत्साह बना हुआ है। शहर के मुस्लिम मोहल्लें रोशनी से नहाये हुए हैं। शहर के छीपा मोहल्ला में सजावट कर रहे सोनू कुरैशी ने बताया कि दो साल बाद त्योंहार मना रहे हैं, इसकी अलग ही खुशी है। शहर की सभी एक दर्जन से अधिक मस्जिदों को सजाया गया है। रोशनी से नहाये मोहल्लें आकर्षण का केन्द्र बने हुए हैं।

तमाम अहले वतन को
ईदुल फित्र की मुबारकबाद

ईद मुबारक

मिनजानिब:

हाकम अली खान

पुत्र यासीन खान हुसैनखानी
(प्रोपर्टी डीलर)
निवास- शहरिया बास लाडनूँ

जमीन क्रय-विक्रय हेतू संपर्क करें।

मोबाईल: 80582 86486

तमाम अहले वतन को
ईदुल फित्र की मुबारकबाद

मोहम्मद जाकिर शेख
मोबाईल : 8696364465

हमारे यहां चांदी के जेवर किफायती दरों में तैयार किये जाते हैं।

मिनजानिब:
ए.आर. कास्टिंग ज्वैलरी वर्क
स्टेशन रोड़ लाडनूँ, जिला नागौर

तमाम अहले वतन को ईदुल फित्र की मुबारकबाद

ईद मुबारक

मिनजानिब:
(युवा समाजसेवी)
अब्दुल मजीद लंगा
शहर अध्यक्ष
मुस्लिम महासभा लाडनूँ

सम्पर्क सूत्र : 9828250953

तमाम लाडनूं वासिन्दों को
तहे दिल से ....

ईद मुबारक

अदरीश खान (MD) वार्ड सं. 17

सम्पर्क सूत्र : 9413125526
पार्षद, नगरपालिका मंडल लाडनूं

रूखसाना बानो वार्ड सं. 08

सम्पर्क सूत्र : 8619824521
पार्षद, नगरपालिका मंडल लाडनूं

तमाम अहले वतन को ईदुल फित्र की मुबारकबाद

ईद मुबारक

मिनजानिब:

ठेकेदार उस्ताद खां

मैसर्स :
यु.के.एस कंस्ट्रक्शन कंपनी लाडनूँ।

सम्पर्क : 96603 79690

तमाम अहले वतन को ईदुल फित्र की मुबारकबाद

लालचंद आंवला,
सहायक अभियंता
विद्युत निगम शहरी
कार्यालय लाडनूँ।

राजकुमार तुंगरिया
कनिष्ठ अभियंता
विद्युत निगम शहरी
कार्यालय लाडनूँ।

साहिल गौरी
कनिष्ठ अभियंता
विद्युत निगम शहरी
कार्यालय लाडनूँ।

गोपाल वर्मा
कनिष्ठ अभियंता
विद्युत निगम शहरी
कार्यालय लाडनूँ।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एंव संपादक सद्दाम द्वारा नेशनल प्रिंटर्स, लोहा मंडी, डीडवाना से मुद्रित तथा घाटी कुआँ, छीपा मोहल्ला, कुचामनसिटी, जिला नागौर (राज.) से प्रकाशित। मोबाइल नम्बर 7737211664 Email-nagaurdaily0@gmail.com